प्रकाशक/स्वामीत्व
रजनी (पुत्री-महेश धावनिया)

डाक पंजियन संख्या : JaipurCity/423/2017-19

# श्री बाबा

प्रधान कार्यालय-सी-57, महेश नगर, जयपुर-15, मो.-9928260244 हिन्दी मासिक समाचार पत्र 7073909291 E-mail:shreebaba_2008@yahoo.com

वर्ष : 11 अंक : 5 आर.एन.आई. नं. : RAJHIN/2008/24962 जयपुर, 5 जुलाई, 2018 मूल्य : 5 रुपए प्रति पृष्ठ : 4


प्रदेश के 62 लाख बच्चों को सप्ताह में तीन दिन दूध

## अन्नपूर्णा योजना के दूध से स्वस्थ होगा बचपन: वसुन्धरा राजे

**जयपुर।** मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे ने कहा कि बच्चों को सही पोषण मिले इसके लिए उनके माता-पिता रात-दिन मेहनत करते हैं। लेकिन अब प्रदेश के सरकारी स्कूलों, मदरसों आदि में पढ़ने वाले करीब 62 लाख बच्चों के अभिभावकों को यह चिंता करने की जरूरत नहीं है। हमारे नौनिहालों के लिए सरकार ने अन्नपूर्णा दूध योजना शुरू की है। जब ये बच्चे मिड-डे मील के साथ दूध पीकर स्वस्थ बनेंगे, तो हमारा आने वाला कल बेहतर होगा।

श्रीमती राजे जयपुर के राजकीय आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय, दहमी कलां में अन्नपूर्णा दूध योजना के राज्य स्तरीय शुभारम्भ समारोह को सम्बोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि यह योजना हमारे खुशहाल और स्वस्थ भविष्य की नींव है।

**मां की तरह बच्चों को दूध उपलब्ध कराएं महिला समितियां**

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं भी एक मां हूं और मैं जानती हूं कि अपने बच्चे को तंदुरूस्त देखने का सुख क्या होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ( शेष पृष्ठ 2 पर )

## नगर निगम कार्यालयों में महिलाओं के लिए शिकायत पेटिका स्थापित किये जाने का लिया निर्णय

**जयपुर।** नगर निगम जयपुर में कार्यरत महिला कार्मिका द्वारा प्रस्तुत शिकायतों एवं किया जाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति कर पास किया गया है।

सुझावों के लिए मुख्यालय एवं जोन स्तर पर शिकायत एवं सुझाव पेटिका स्थापित महिला उत्थान समिति अध्यक्ष श्रीमति कुसुम यादव की ( शेष पृष्ठ 2 पर )

## राजकीय अनुसूचित जाति महाविद्यालय स्तरीय कन्या छात्रावास में प्रवेश के लिए मांगे आवेदन

**जयपुर।** सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने राजकीय अनुसूचित जाति महाविद्यालय स्तरीय कन्या छात्रावास में प्रवेश के लिए ऑनलाईन आवेदन मांगे है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक जयपुर (शहर) श्री चन्द्रशेखर ने बताया कि जिले में दो राजकीय अनुसूचित जाति महाविद्यालय स्तरीय कन्या छात्रावास प्रथम, द्वितीय आगरा रोड आईसीएफएआई यूनिवर्सिटी के पास जामडोली किया जा रहा है। प्रत्येक छात्रावास में 50 छात्राओं को प्रवेश दिया जायेगा। उन्होंने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2018-19 के लिए प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाईन है। इसके लिए आवेदन विभागीय वेबसाईट sso.rajasthan.g.in के माध्यम से sjms पोर्टल पर ऑनलाईन किया जा सकता है। छात्रावासों में विभाग द्वारा देय सभी सुविधाएं नि:शुल्क है। आवेदन की वरीयता क्रम के आधार पर प्रवेश दिया जायेगा। आवेदन के दौरान किसी भी प्रकार की कठिनाईयां होने पर कार्यालय अधीक्षक राजकीय अनुसूचित जाति महाविद्यालय स्तरीय कन्या छात्रावास जामडोली प्रथम एवं द्वितीय में सम्पर्क किया जा सकता है।


### समाचार विज्ञापन संकलन

श्री बाबा समाचार पत्र की प्रकाशन तिथि प्रत्येक माह की 5 तारीख है। अत: समाचार एवं विज्ञापन आदि के प्रकाशन के लिए विज्ञप्ति, फोटो आदि सामग्री माह की 20 तारीख तक पूर्ण विवरण के साथ भिजवा दें। सम्पर्क करें:

**श्री बाबा** whatsapp 7073909291

सी-57, महेश नगर, 80 फीट रोड, जयपुर-15

मो.-9928260244 E-mail : shreebaba_2008@yahoo.com


सामाजिक समरसता सम्मेलन: वक्ताओं ने समाज में भाईचारा-सद्भाव और सम्मान पर दिया जोर

## लोकतंत्र के लिए सभी धर्म, समाज और संप्रदाय के लोग एक मंच पर आए

**जयपुर।** सी-स्कीम के महावीर स्कूल में समाजिक समरसता सम्मेलन आयोजित हुआ। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य राजनीतिक नहीं है। यह एक सामाजिक आन्दोलन है, जिसके माध्यम से समाज में भाईचारा, सद्भाव व एक-दूसरे के प्रति सम्मान बढ़ाने का बीड़ा उठाया गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी खुद एक आन्दोलन के रूप में शुरू हुई थी, जिसने देश को आजाद कराने के साथ ही स्वतंत्र भारत को लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ सर्वसमावेशी देश बनाया।

एआईसीसी के अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष नदीम जावेद ने कहा कि आज देश में विचारधारा के नाम पर दिखावा कर भ्रम फैलाने की नीति पर काम किया जा रहा है ताकि सत्ता पर काबिज होकर अपने हित साधे जा सके। सांसद डॉ.कर्णसिंह यादव ने कहा कि इंसान के खून का रंग एक है और किसी में कोई भेद नहीं है, परन्तु सत्ताधारी लोग वास्तविकता

को नकार कर अपने हित साधने में लगे हुए हैं। सामाजिक समरसता सम्मेलन आयोजन समिति की अध्यक्ष डॉ.अर्चना शर्मा ने कहा कि जिस दिशा में समाज जा रहा है उसे सही रास्ते पर ले जाने के लिए आवश्यक है कि सभी धर्मों, समाजों एवं सम्प्रदायों के लोगों को एक मंच पर लाकर विचारों का आदान-प्रदान किया जाए और लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को मजबूती दी जाए।आयोजन समिति के संयोजक सी.ए. विजय गर्ग, स्वागत अध्यक्ष विनोद कुमार शर्मा, समन्वयक इंजीनियर वेदप्रकाश शर्मा, सचिव हेमराज शर्मा, सदस्य इमरान कुरैशी ने भी विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर जयपुर शहर कांग्रेस महासचिव अयुब गौरी पठान सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

**सामाजिक मूल्यों को पुनर्जीवित करने की जरूरत**

सांसद डॉ.रघु शर्मा ने कहा कि आज देश में समरसता के प्रचार-प्रसार की आवश्यकता है। पूर्व सांसद अश्कअली टाक ने कहा कि समाज में जिन मूल्यों को पीछे धकेला जा रहा है उन्हें पुर्नजीवित करने के लिए ऐसे आयोजनों की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

## देश-प्रदेश में बच्चियों से हो रही हैवानियत को रोकने में सरकार नाकाम: पायलट

**जयपुर।** कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष सचिन पायलट ने देश और प्रदेश में मासूम बच्चियों के साथ बढ़ रही दुष्कर्म की घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त की है। देश और प्रदेश में मासूम बच्चियों को सुरक्षा प्रदान करने में केंद्र और राज्य सरकार पूरी तरह से नाकाम है, जिसका नतीजा है कि प्रतिदिन बच्चियों के साथ हैवानियत के मामले सामने आ रहे है। पायलट ने कहा कि भाजपा सरकार दिखावे के लिए तो ऐसे कारनामों को अंजाम देने वालों के खिलाफ कड़े कानून बना रही है, लेकिन सच यह है कि कानून की पालना करवाने और अपराधियों को सजा देने के लिए पर्याप्त न्यायालय नहीं है। प्रदेश में बच्चियों से साथ दुष्कर्म के मामलों की सुनवाई के लिए पोक्सो एक्ट के तहत सिर्फ राजधानी में एक न्यायालय है, जिसमें भी अनगिनत मामले लम्बित है। पायलट ने कहा कि हर जिले में पोक्सो न्यायालयों का गठन किया जाए।

## गणेश बैरवा सेवानिवृत

**जयपुर।** गणेश बैरवा वरिष्ठ लिपिक शिक्षा विभाग, जयपुर के पद से 40 वर्ष की सेवा पूर्ण करने के राज्य सेवा से सेवानिर्वत हुऐ। इस अवसर पर विभाग की और से बैरवा का सम्मान समारोह का

आयोजन किया गया। साथ ही चन्द्र कृपा गार्डन, महेश नगर, जयपुर पर श्री गणेश बैरवा का परिवारजन, समाज एवं मित्रगणों द्वारा माला एवं साफा बंधवाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया साथ ही आये हुए सभी मेहमानों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की।

## बैरवा बने उपाध्यक्ष

**जयपुर।** ब्लॉक कांग्रेस कमेटी फागी जिला जयपुर के अध्यक्ष रघुराज सिंह जी राजावत ने श्री ज्ञानचन्द बैरवा को फागी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी में उपाध्यक्ष व मीडिया प्रभारी नियुक्त किया।

## बैरवा सेवानिवृत

**जयपुर।** रामनिवास बैरवा कार्यालय अधीक्षक बी.एस.एन.एल. सिविल राजस्थान जोन जयपुर के पद से 37 वर्ष की सेवा पूर्ण करने के उपरान्त केन्द्रीय सेवा से सेवानिर्वत हुऐ। इस अवसर पर विभाग की और से बैरवा का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। साथ ही कम्यूनिटी हॉल, संचार विहार कॉलोनी, मालवीय नगर, जयपुर पर श्री रामनिवास बैरवा का परिवारजन, समाज एवं मित्रगणों द्वारा माला एवं साफा बंधवाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया साथ ही आये हुए सभी मेहमानों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की।

टोंक जिले की पुलिस प्रशासन की दलित विरोधी कार्यशैली के विरोध में

## दलित अधिकार केन्द्र ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का खटखटाया दरवाजा: पी.एल.मीमरौठ

**जयपुर।** 30 मई 2018 की रात को दलित शांति लाल बैरवा निवासी पारली, पुलिस थाना पचेवर, जिला टोक की हत्या

कर खेजडी के पेड से लटका दिया था। स्थानीय पुलिस प्रशासन हत्या के मामले को आत्महत्या का रूप देने में तुला हुआ है जिसके कारण से घटना के 15 दिन बाद भी आरोपियों को गिरतार नही करना, पीडित परिवार द्वारा हत्यारों के नाम बताने पर भी हत्यारों के नाम रिपोर्ट में दर्ज नही करना, प्रथम सूचना रिपोर्ट में एससी./एस.टी.एक्ट में मुकदमा दर्ज नही करना आदि गम्भीर सवाल इस बात की ओर इशारा करते है कि हत्यारों को पुलिस प्रशासन का संरक्षण मिलने के कारण से इस मामले में अभी तक कोई कार्यवाही नही करना गम्भीरत चिन्ता का विषय है।

स्मरण रहे दिनांक 1 जून 2018 को दलित अधिकार केन्द्र के प्रतिनिधि मण्डल के साथ-साथ अन्य स्थानीय जन प्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं व पीडित ( शेष पृष्ठ 3 पर )

## सम्पादकीय

### जीएसटी का पहला साल

पहली जुलाई को केंद्र सरकार ने जीएसटी दिवस मनाने का फैसला किया क्योंकि इस दिन जीएसटी व्यवस्था को लागू हुए एक वर्ष पूरा हुआ है। जिन राज्यों में भाजपा की सरकारें नहीं हैं, वहां जीएसटी से बहुत शिकायतें हैं। भाजपा नेता जीएसटी को बहुत सफल बता रहे हैं। पर जीएसटी को समग्रता में देखने की जरूरत है। जीएसटी कर व्यवस्था अभी शुरु आती स्टेज में है। कारोबारियों को भी इसे पूरी तरह समझना और इस व्यवस्था को लागू करनेवाले भी इसे लगातार समझने की कोशिश कर रहे हैं। कोई नयी कर व्यवस्था लागू करना आसान नहीं होता। किसी भी बदलाव के प्रति नकार एक सहज मानवीय मनोभाव है। किसी स्कूल में एक सीट पर दो बच्चे एक साथ बैठे हों, उनकी सीट बदल दी जाये, तो वह भी आपत्ति करते हैं। पुराने तौर-तरीकों से काम करने की आदत हो जाती है। आदत के साथ तादात्म्य हो जाता है। इसलिए कोई नयी आदत, कोई नया बदलाव चाहे वह सबके हित में ही क्यों ना हो, लागू करवा पाना आसान नहीं होता। हर नये बदलाव का स्वाभाविक विरोध होता है। पर धीमे-धीमे वह स्वीकार्य होता है। जीएसटी कर संग्रह के आंकड़े बताते हैं कि पहले महीने यानी जुलाई 2017 में इससे 93590 करोड़ रु पये जुटाये गये थे। फिर अगस्त और सितम्बर 2017 में क्रमशः 93029 करोड़ रु पये 95132 करोड़ रु पये जीएसटी से उगाहे गये। यानी मामला 93000 करोड़ से 95000 करोड़ रु पये के बीच घूम रहा था। अक्टूबर 2017 में यह आंकड़ा 85931 करोड़ हुआ। नवम्बर 2017 के आंकड़े ने चिंता में डाल दिया था, जब यह 83716 करोड़ रु पये का हो गया था।

यह अब तक का सबसे कम आंकड़ा है। अप्रैल 2018 में जीएसटी संग्रह का आंकड़ा एक लाख करोड़ रु पये से ऊपर हो गया। वित्त मंत्रालय को उम्मीद है कि 2018-19 के दौरान यानी अप्रैल 2018 से मार्च, 2019 के बीच यह आंकड़ा हर महीने एक लाख करोड़ रु पये रहनेवाला है। यह औसत अगर हासिल कर लिया गया, तो जीएसटी को कामयाब ही माना जा सकता है। इस संग्रह में बढ़ोत्तरी की संभावनाएं हैं। पर जैसा कि राजनीतिक माहौल लग रहा है, केंद्र और राज्य सरकारें दोनों ही नहीं चाहेंगी कि करों की दर में बढ़ोत्तरी हो। इसलिए मोटे तौर पर यह माना जा सकता है कि 2018-19 के दौरान औसत संग्रह एक लाख करोड़ रु पये प्रति माह का ही रहनेवाला है। यह लक्ष्य वित्तीय हासिल कर लिया जाये, फिर इसमें आगामी सुधारों पर ठोस चर्चा संभव होगी।

# "डॉ. अम्बेडकर का राष्ट्रीय उत्थान में योगदान"

कश्मीर घाटी का श्वेत बर्फ खून से रंगा हुआ है जो हर भारतीय के दिल में दहकता है। हर कोई चाहता है कि कश्मीर समस्या का समाधान हो। डॉ. अम्बेडकर ने कहा था कि "अपनी मातृभूमि की रक्षा हम ही करेंगे, मेरे हिन्दुओं के साथ कुछ मतभेद अवश्य हैं, किन्तु मैं, आपके सामने प्रतिज्ञा करता हूं कि मैं देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राण भी दे सकता हूँ" बाबा साहेब ने अपनी पुस्तक 'भारत का विभाजन' में अपनी देशभक्ति का परिचय दिया है। उन्होंने कहा था कि केवल वेशभूषा पर ही किसी देश की संस्कृति प्रकट या विकसित नहीं होती। सम्पूर्ण देश को एक ही राष्ट्रभाषा सिखाओं फिर देखो चमत्कार होता है। उनके विचार से हिन्दी राष्ट्रभाषा होने से सभी को निष्ठापूर्वक उसका प्रयोग करना चाहिये, उन्होंने अपने भाषण में एक महत्त्वपूर्ण रहस्य का उद्घाटन किया कि केवल एक वोट से हिन्दी राष्ट्रभाषा बनी है। चीन के विषय में : उनकी राय स्पष्ट थी कि तिब्बत को 'बफर स्टेट' रखा जावे। अंग्रेजों ने चालाकी से वहाँ अपनी सेना रख दी थी जिसके कारण जब युद्ध हुआ तो तिब्बत की भूमि पर, भारत भूमि पर नहीं। लेकिन पंचशील संधि के अनुसार भारत की सीमा चीन से जुड़ गयी। डॉ. अम्बेडकर ने चीन के विरुद्ध खतरे का संकेत देते हुए, राज्यसभा में वक्तव्य दिया था, जिसको अनसुना किया गया। उन्होंने कहा था कि चीन एक दिन भारत पर आक्रमण किये बिना नहीं रहेगा और वही हुआ। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री, 'माओ' के पंचशील और अनाक्रमण तिब्बत संधि पर निर्भर न रहें, जो पंचशील बौद्ध धर्म का महत्त्वपूर्ण अंग है, उस पर यदि माओ का विश्वास होता तो वो अपने ही देश में बौद्ध धर्मावलम्बियों को विभिन्न तरीकों से प्रताडित न करते। सम्पूर्ण भारत में अनेक ज्योतिषी एवं राजनीति के विद्वान् थे लेकिन चीन विषयक भविष्यवाणी उन्होंने ही की थी। डॉ. अम्बेडकर की भविष्यवाणी दिसम्बर, 1962 में चीन ने भारत पर आक्रमण करके सत्य साबित कर दी। इस महान् देशभक्त व दलित नेता की भविष्यवाणी उनकी दूरदर्शिता को प्रदर्शित करती है।

भारत की बढ़ती जनसंख्या की गम्भीरता को डॉ. अम्बेडकर ने भली भाँति पहचान लिया था। पिता की चौदहवीं संतान होने से उनके निजी अनुभव थे। बहुत पहिले मुम्बई विधान परिषद् में उन्होंने परिवार नियोजन की सलाह दी थी, उनके द्वारा तैयार परिवार नियोजन विधेयक उनकी अनुपस्थिति में विधायक दादा साहब रोहम ने प्रस्तुत किया था। इस सदी के चौथे दशक में इस तरह का विधेयक लाना एक क्रान्तिकारी कदम था, जिसे लाना आसान नहीं था। उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल में प्रतिवर्ष बाढ़ से भयानक हानि होती है। उन दिनों बाढ़ की समस्या आज के मुकाबले अधिक भीषण थी। डॉ. अम्बेडकर वायसराय कौन्सिल के सदस्य थे। उनके सामने नदियों की समस्या आयी। 'दामोदर घाटी योजना' नाम से बाबा साहेब ने एक योजना बनायी ओर कहा कि भारत के लिए अभिशाप बन आयी। इन नदियों को मैं 'वरदान' में बदल दूंगा। योजना का ब्ल्यू प्रिंट तैयार हुआ और कार्य की योजना बनी। बिहार में इसे 'दामोदर घाटी परियोजना' के नाम से जाना गया। वायसराय ने बाबा साहेब की सलाह से इसी योजना के आधार पर "भाखड़ा नागल बांध" जैसी योजनाऐं पूर्ण करवायीं, इन योजनाओं के प्रवर्तक डॉ. अम्बेडकर ही थे। बाबा साहेब ने सर्वप्रथम भारत में मजदूर और उनके संगठनों को मान्यता प्रदान कराने में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की। काम के घण्टे निर्धारित किये एवं कार्य की शर्तें व सुविधायें तय की गयी। उन दिनों स्त्रियों को खानों में काम करने रात में भी जाना पड़ता था। बाबा साहेब ने यह नियम बनवाया कि रात में किसी स्त्री को 'खान' में काम करने नहीं भेजा जायेगा। जिन स्थानों पर सीधे खड़े होकर काम नहीं किया जा सकता है, वहां स्त्रियों को काम नहीं दिया जावेगा। मजदूरों, कामगारों को मानवीय अधिकार दिलाने में डॉ. अम्बेडकर का यह महत्त्वपूर्ण योगदान हमेशा याद रहेगा। क्रमश

## वैवाहिक

### वर चाहिए

* जयपुर निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-एम.एस.सी., गौत्र-मीमरोठ, जाटवा, बंशीवाल, सामने लकवाल व मुराड़िया ना हो, मो. 7976069646
* जयपुर निवासी, 27 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-टाटीवाल, बड़गौती (लाड़ोतिया), जारवाल, सामने मेहर ना हो, मो. 8058613154
* बारां निवासी, 26 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., एम.एस., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-मीमरोठ, जारवाल, सिवतिया
* जयपुर निवासी, 26 वर्ष, शिक्षा-बी.बी.ए, पीजीडीसीए पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-भूराहाड़िया, गोनावत, सिरोहिया, मो. 7597493946
* जयपुर निवासी तलाकशुदा, 23 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., एम.ए., पिता-निजी कार्य, गौत्र-टाटीवाल, मेहर, चरावण्डिया, सामने जाटवा ना हो, मो. 9413488484
* दिल्ली निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-बी.एस.सी., एम.बी.ए., पिता-निजी कार्य, गौत्र-लोदवाल, मरमट, बंशीवाल, मो.-0141-2705878, 8952981915
* जयपुर निवासी , 26 वर्ष, शिक्षा-एम कॉम, पिता-बैंक सेवा, गौत्र-बड़गौती, लोदवाल, गुणावत, टाटु, मो. 9829586328
* दिल्ली निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-बी.कॉम, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-जोनवाल, कुण्डारा, सुलानिया, मो. 9810068173
* जयपुर निवासी, 27 वर्ष, शिक्षा-एम कॉम, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-गोठवाल, सिसोदिया, जाटवा, लोडतिया, मो. 9351968820
* जयपुर निवासी, 25 वर्ष, शिक्षा-एम एससी, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-गोठवाल, सिसोदिया, जाटवा, लोडतिया, मो. 9351968820
* जयपुर निवासी, 25 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., बी.एड., पिता-निजी कार्य, गौत्र-नागरवाल, चरावण्डिया, जीनवाल, गोमलाडू, मो. 9549781463
* जयपुर निवासी, 35 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-जीनवाल, सुलानिया, मीमरोठ, मो. 9929369818

### वधू चाहिए

* हनुमानगढ़ निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-10वीं पास, प्राईवेट सर्विस, गौत्र-बंशीवाल, चरावण्डिया, नीमरोठ
* जयपुर निवासी, 34 वर्ष, शिक्षा-बीए, एमए, निजी ज्वैलरी कार्य, गौत्र-जोनवाल, कुवाल, लोदवाल+जाटवा, मो.-9829542057
* जयपुर निवासी, 36 वर्ष, शिक्षा-बीए, एलएलबी, कर सलाहकार, गौत्र-जोनवाल, कुवाल, लोदवाल+जाटवा, मो.-9782199234
* जयपुर निवासी, 30 वर्ष, शिक्षा-दसवीं, बिग बाजार में ज्यूस की दुकान पर सर्विस, गौत्र-लोदवाल, गोठवाल, बीलवाल
* गंगापुरसिटी निवासी, 32 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., बी.एड., पिता-बैंक सेवा, गौत्र-लोदवाल, माली, बागोरिया, मो.-7073799722, 9530157307
* जयपुर निवासी, 30 वर्ष, शिक्षा-बी.सी.ए., वर्तमान में अशोक लीलैण्ड कम्पनी में अकाउंटेंट, पिता-निजी कार्य, गौत्र-गोठवाल, बड़ोदिया, नागरवाल, टाटीवाल, जाटवा, मीमरोठ, मो.-9950391188
* टोंक निवासी, 23 वर्ष, शिक्षा-बी.बी.ए., एम.बी.ए., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-आकोदिया, मेहरा, गोमलाडू
* टोंक निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., वर्तमान में स्वयं की वेबसाइट डिजाइन ऑफिस, पिता-निजी कार्य, गौत्र-गोमलाडू, मीमरोठ, कुण्डारा, सामने तलावलिया ना हो
* गोनेर (जयपुर) निवासी, 30 वर्ष, शिक्षा-बी.कॉम., कम्प्यूटर इंजीनियर, स्वयं का कोचिंग सेन्टर, पिता-निजी कार्य, गौत्र-गोठवाल, बंशीवाल, मीमरोठ, मो.-9887183044
* बीकानेर निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-बी. फार्मेसी, वर्तमान में एम.आर. का कार्य, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-रेवाड़िया, मेहर, माली, मो.-9602211924
* जयपुर निवासी, 24 वर्ष, शिक्षा-बी. कॉम, वर्तमान में वकील के पास मुंशी का कार्य, पिता-निजी कार्य, गौत्र-टाटीवाल, लालावत, सरकंडी, सामने बैण्डवाल न हो

विस्तृत जानकारी के लिए सम्पर्क करें, **मो.: 9928260244**

## अन्नपूर्णा योजना के दूध... ( पृष्ठ 1 का शेष )

8वीं कक्षा तक के सभी सरकारी स्कूलों, मदरसों आदि में पढ़ने वाले हर बच्चे को सप्ताह में तीन दिन ताजा, शुद्ध और पौष्टिक गर्म दूध मिलेगा। उन्होंने इस योजना में महिला दुग्ध उत्पादक समितियों के जरिए दूध की आपूर्ति को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिस तरह एक माता अपने बच्चों के दूध के लिए गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं करतीं। उसी तरह महिला दुग्ध उत्पादक समितियों से जुड़ी महिलाएं भी गुणवत्ता बनाए रखेंगी।

**स्कूलों में बढ़ेगा नामांकन**

श्रीमती राजे ने कहा कि अब मिड-डे मील योजना के साथ अन्नपूर्णा दूध को जोड़ने से सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के पोषण स्तर में सुधार तो होगा ही, स्कूलों में नामांकन और ठहराव भी बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने ऐसे कई काम किए हैं, जिनसे राजस्थान शिक्षा के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनकर उभरा है। बड़ी संख्या में शिक्षकों के रिक्त पदों को भरा गया है। प्रत्येक पंचायत में आदर्श विद्यालयों से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आया है।

**अपने हाथों से बच्चों को गर्म दूध पिलाकर की शुरूआत**

मुख्यमंत्री ने जयपुर के विभिन्न स्कूलों से आए बच्चों को अपने हाथों से गर्म दूध पिलाकर अन्नपूर्णा दूध योजना की पूरे प्रदेश में शुरूआत की। उन्होंने विद्यार्थियों को दूध के साथ फल भी वितरित किए। श्रीमती राजे ने इन बच्चों से उनकी पढ़ाई और खेलकूद के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि बगरू विधानसभा क्षेत्र के बगरू शहर तथा इसके 144 गांवों को बीसलपुर परियोजना के द्वितीय चरण से जोड़ने की योजना की शुरूआत कर दी गई है। इससे पहले शिक्षा राज्यमंत्री श्री वासुदेव देवनानी ने कहा कि बालकों के पोषण स्तर में सुधार की दिशा में यह योजना मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में किए गए नवाचारों की जानकारी देते हुए कहा कि करीब एक लाख शिक्षकों को पदोन्नतियां दी गई हैं। राज्य में बड़ी संख्या में शिक्षकों के रिक्त पद भरे गए हैं। उन्होंने कहा कि अब इस योजना से मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप हैप्पीनैस इंडेक्स में भी सुधार आएगा। इस अवसर पर संसदीय सचिव एवं स्थानीय विधायक श्री कैलाश वर्मा, सांसद श्री रामचरण बोहरा, विधायक श्री निर्मल कुमावत, जिला प्रमुख श्री मूलचन्द मीणा, प्रमुख शासन सचिव स्कूल शिक्षा श्री नरेशपाल गंगवार सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि तथा संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, बच्चों के अभिभावक एवं शिक्षक भी मौजूद थे।

## नगर निगम कार्यालयों... ( पृष्ठ 1 का शेष )

अध्यक्षता में आयोजित बैठक में यह निर्णय लिया।

बैठक में नगर निगम द्वारा डेयरी बूथ आवंटन में विधवा, परित्यक्ता, कैंसर रोगी, एचआईवी ग्रस्त महिला एवं दिव्यांग महिलाओं को दिये जाने तथा नगर निगम मुख्यालय भवन लालकोठी पर निगम के कार्यरत महिलाओं के छोटे बच्चों के लिए क्रेच की सुविधा उपलब्ध कराने का भी प्रस्ताव पारित किया गया। इसी प्रकार बैठक में जयपुर शहर में महिलाओं के लिए पिंक टॉयलेट स्थापित करने एवं महिलाओं को जाग्रत करने के लिए, जगह जगह नुक्कड़ नाटक करवाये तथा तीज उत्सव पर महिलाओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताऐं आयोजित कराने पर विस्तार से चर्चा हुई।

## सदस्यता शुल्क

वार्षिक सदस्यता
100 रुपए

**विशिष्ट द्विवार्षिक सदस्यता**
500 रुपए
साथ में पाएं दो वैवाहिक एवं एक क्लासीफाइड डिस्प्ले विज्ञापन बिल्कुल मुफ्त

**आजीवन सदस्यता**
2100 रुपए

**संरक्षक सदस्यता**
5100 रुपए

# प्राकृतिक खूबसूरती बरकरार रखने के लिए मेकअप हटना जरूरी

खूबसूरत दिखने के लिए जिस तरह महिलाएं मेकअप करती हैं, ठीक उसी तरह

अपनी प्राकृतिक खूबसूरती को बरकरार रखने के लिए जरूरी है कि आप मेकअप को रिमूव करें। आपने अक्सर लोगों से यह कहते हुए तो सुना है कि हर रात सोने से पहले मेकअप रिमूव करना आवश्यक है। लेकिन क्या आप जानती हैं कि मेकअप रिमूव करने के क्या फायदे हैं। तो चलिए जानते हैं किसलिए जरूरी है मेकअप रिमूव करना-

**आई इंफेक्शन**

मेकअप करते समय लड़कियां आई मेकअप पर खास ध्यान देती हैं लेकिन वास्तव में यही आई मेकअप आई इंफेक्शन का कारण भी बन सकता है। दरअसल, जब आप रात में मेकअप के साथ सोती हैं तो मस्कारा, आईशैडो पाउडर व अन्य आई मेकअप प्रॉडक्ट के छोटे-छोटे पार्टिकल्स आपकी आंखों में चले जाते हैं, जिसके कारण इरिटेशन व रेडनेस से लेकर आंखों में इंफेक्शन तक हो सकता है।

**होंठों का सूखापन**

आजकल महिलाएं लॉन्ग लास्टिंग लिपस्टिक का इस्तेमाल अपने होंठों पर करती हैं। इनकी खासियत यह होती है कि यह आपके होंठों पर लम्बे समय तक टिकती है। लेकिन इस तरह की लिपस्टिक आपके होंठों का नेचुरल मॉश्चर छीन लेती है। ऐसे में अगर यह लिपस्टिक रातभर आपके होंठों पर रहती हैं तो आपको फटे होंठों, होंठों में सूखापन आदि की समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

**होते हैं ब्लैकहेड्स और पिंपल्स**

अगर आप अपने चेहरे पर ब्लैकहेड्स और पिंपल्स के कारण परेशान रहती हैं तो इसका मुख्य कारण आपके द्वारा मेकअप रिमूव न करना हो सकता है। दरअसल, जब आप मेकअप रिमूव नहीं करतीं तो इसके कारण आपकी स्किन के पोर्स क्लॉग हो जाते हैं। यही ब्लैकहेड्स और पिंपल्स का मुख्य कारण बनते हैं। इसलिए आप हर रात को सोने से पहले मेकअप को रिमूव करने के बाद किसी माइल्ड क्लींजर से स्किन को साफ करें और उसके बाद स्किन को मॉइश्चराइज करें। ऐसा करने से आपके चेहरे पर ब्लैकहेड्स व पिंपल्स आदि होने की संभावना काफी हद तक कम हो जाएगी।

# क्या दलितों की हितैषी पार्टियां कानपुर दुष्कर्म काण्ड का राष्ट्रव्यापी विरोध करेंगी ?

भारत 15 अगस्त 1947 को राजे-रजवाड़ों, बादशाहों-नवाबों, ठाकुरों-जागीरदारों और ब्रिटिशराज की गुलामी से आजाद हो गया। बाबा साहेब चाहते थे कि राजनैतिक आजादी से पहले सामाजिक आजादी मिले, लेकिन तत्कालीन नेताओं ने उनकी बातों पर ध्यान नहीं दिया। इसका नतीजा यह रहा कि न केवल आज भी सामाजिक असमानता मौजूद है, अपितु छूआछूत भी मौजूद है। इसके प्रत्यक्ष प्रमाण हैं वे अखबार जो इन घटनाओं को जनता तक रोज पहुँचा रहे हैं और ऐसा कोई दिन, सप्ताह या माह नहीं जाता जिस दिन दलित का अपमान नहीं हुआ हो, चाहे दबंगों द्वारा अपमानित करने के रूप में हों, चाहे इनके घर-खेतों पर कब्जा करने को लेकर हो, इनके सामाजिक-राजनैतिक अधिकारों के हनन के रूप में हो अथवा दलित समाज की बालिकाओं-स्त्रियों की इज्जत पर हमले के रूप में हो, आज भी बेरोकटोक जारी है। इस बात का कोई फर्क नहीं पड़ता कि शासन किस पार्टी का है, क्योंकि दोनों ही प्रमुख पार्टियों में दबंगों का वर्चस्व है और दलितों के हितों का दावा करने वाली तथा दलितों के वोटों के बल पर उत्तर प्रदेश में, जहाँ यह काण्ड हुआ, सरकार बनाने वाली बहुजन समाज पार्टी आज बहुजन को भूलकर सर्वजन के पीछे लगी हुई है। आज दलित अपने को ठगा-सा महसूस कर रहे हैं क्योंकि इन्होनें जिस पार्टी को वोट दिया, उसने इनका जमकर उपयोग किया और काम निकल जाने के बाद दूध की मक्खी की तरह निकाल कर फेंक दिया और जिस पार्टी को वोट और नोट दिया, आज वह भी वोट के खातिर इनको भूल ब्राह्मण, बनियों और राजपूतों अर्थात् दबंगों के साथ हाथ मिला चुकी है। ऐसे में दलित चौराहे पर खड़ा है कि आखिर जाये तो कहां जाये ? यह लिखते कोई संकोच नहीं कि दलितों के नेता या तो बिकाऊ होते हैं या दल-बदलू। थोड़ा सा भी फायदा देखा कि डगमग डोल जाते हैं और अपने सिद्धान्तों को ताक में रख देतें हैं। फिर तिलक तराजू और तलवार, इनके मारो जूते चार की जगह हाथी नहीं गणेश है ब्रह्मा विष्णु महेश है हो जाता है।

बाबा साहेब के सिद्धान्त त्रयी में उक्त घटनाओं का समाधान नजर आता है। शिक्षा के जरिये हमें अपने-पराये की पहचान होनी चाहिये। प्रयास यह करना चाहिये कि जो लोग किसी भी प्रकार के लालच अथवा दबाव में आकर अपने वर्ग के हितों को छोड़ रहे हैं, उनको समाज से जोड़े रखा जाये। इसके बाद जो सबसे महत्वपूर्ण बात है वो यह कि दलित समाज के प्रबुद्ध जनों को जातीय हितों की अपेक्षा वर्ग हितों को प्राथमिकता देना चाहिये। आज भी दलित जातियों में संगठन का भारी अभाव है और इसके नतीजे सामने हैं। संगठन के ही अभाव में अत्याचारियों को उचित सबक नहीं मिल पाता, रिपोर्ट तक दर्ज नहीं हो पाती, ढंग से तफ्तीश नहीं होती और कई मामलों में तो एफआर लगा दी जाती है। दलितों में आज तक जो संगठन हुआ है वह सतही और अधिकतर राजनैतिक फायदे के लिये है। जो संगठन है वह स्वार्थों के चलते इतने खण्डों में बंट गया है कि दलितों का ही विश्वास नहीं जीत पा रहे हैं। आज दलित समाज के दुख-दर्द को विश्व पटल पर रखने वाला और इनके पक्ष में खड़ा होकर दोषियों को सजा दिलवाने वाला कोई संगठन नहीं है। जो संगठन हैं वे अपने-अपने दायरे में सीमित हैं। इसी कारण आज भी पुरानी वर्जनायें जारी हैं, दलितों को दोयम दर्जे का नागरिक समझा जाता है और मनचाहा दुर्व्यवहार कर लिया जाता है। चूंकि सारे मीडिया पर कब्जा भी इनका ही है, अत: इस प्रकार की घटनाओं को बहुत कम प्रकाश में लाया जाता है अथवा तोड़-मरोड़ कर पेश किया जाता है। कही गौवध का संभावित आरोपी मानकर हत्या कर दी जाती है तो कही दूल्हे को घोड़ी पर से उतारा और पीटा जाता है। कही बहिन-बेटियों की इज्जत से खिलवाड़ किया जाता है तो कही जमीनें हड़प ली जाती है और टेक्ट्रर के पहियों तले रौंद दिया जाता है। जैसे कि यह रोज का नियम हो गया है।

इन सबके पीछे कारण एक ही है कि दलित समाज संगठित नहीं है। और जो हजारों संगठन बने हुए हैं उनको अपनी-अपनी दुकाने चलाने से ही फुर्सत नहीं है। चुनावों के दिन आने वाले हैं, सबके-सब दोनो राजनैतिक पार्टियों के तलुवे चाटने में व्यस्त है कि कहीं से टिकट मिल जाये तो जीत कर एम पी एमएलए बन जाये फिर पुश्तों का इंतजाम हो जायेगा। दलितों की कौन सोचता है ?

अभी हाल ही में 11 जून 2018 के राजस्थान पत्रिका में 12 मई 2018 की घटना की खबर ठीक एक महीने बाद छपी है। खबर के अनुसार कानपुर देहात में दलित समाज की एक लड़की का उसी की शादी के दिन पांच रसूखदारों ने अपहरण कर बन्धक बना आठ घण्टे तक कई बार रेप किया जबकि उसकी बारात उसके दरवाजे पर पंहुच चुकी थी। उसकी मां सिर पटती रही, लेकिन दरिन्दों ने उसकी एक नहीं सुनी। उसकी शादी होने के बाद अगले ही दिन ससुराल वालों ने उसके जिस्म पर घाव देखकर मामला पूछा और उसे निकाल दिया। रसूलाबाद थाने में मुकदमा दर्ज नहीं हुआ। जब युवती ने राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग में गुहार की तब जाकर महीने भर बाद मुकदमा दर्ज हुआ और कार्रवाही शुरु हुई।

क्या दलितों के वोट और नोट के बल पर यूपी में पांच बार सरकार बनाने वाली बहुजन समाज पार्टी का दायित्व नहीं बनता कि इस घटना के विरोध में आंदोलन करे, पीड़िता को सुरक्षा दे और अपराधियों को फांसी के तख्ते तक पहुंचाये ? क्या सिर्फ वोट लेना और बड़ी-बड़ी बाते करना ही जानते हैं या हमारी समस्याओं पर भी ध्यान दिया जाता है ?

समाजिक कार्यों में हमें मिशनरी भावना से कार्य करना होगा। वह मिशनरी भाव यह है कि दलित का वोट उसी पार्टी को जाये, जो वास्तव में हमारा भला करे। रोटी बेटी का रिश्ता दलित समाज में ही हो। समाज का हर व्यक्ति हार्दिक रूप से यथा संभव दूसरों की सहायता करे। राजनैतिक पार्टियां स्थाई नहीं होती हैं ये तो आती जाती रहती हैं। अगर सामाजिक रुप से सशक्त हो गये तो सरकारें बनाना कोई बड़ी बात नहीं है।

दलित जातियों को आपस में संगठित होकर एक वर्ग का रूप लेना चाहिये। रैगर, भाम्बी, बैरवा, मोची, जीनगर, मेघवाल, खटीक, कोली, धोबी, मेहतर आदि को यह समझना होगा कि अब पुराने विवादों को त्यागना होगा, नये विवाद खत्म करने होंगे और आपस में संगठित रहना होगा। किसी एक की विपत्ति सबकी विपत्ति समझी जाये और इसका उसी तरह विरोध हो जिस तरह कि खुद की विपत्ति का होता है। यदि आज किसी रैगर या धोबी समाज के दूल्हे को घोड़ी पर से उतारा जाता है तो अन्य जातियों का दायित्व है कि सब आपस में मिलकर विरोध करें और दोषियों को कठोरतम दण्ड दिलवायें।

शक्ति प्रदर्शन करना हो तो सब साथ में करें। आश्चर्य है कि कानपुर दुष्कर्म काण्ड में अभी तक ऐसा कुछ नहीं हुआ जो कि जागृत प्रदेश कहा जाता है! शीर्ष नेतृत्व समाजिक-राजनैतिक संगठनों को करना चाहिये और विरोध प्रदर्शन सारे देश में ठीक उसी तरह हो जैसा कि 2 अप्रैल 2018 को किया गया था। अपराधियों को नये कानून के तहत सरेआम फांसी पर लटकाया जाये, ताकि अपराधियों को सजा मिलने के साथ साथ इस तरह के विचार रखने वालों को भी नसीहत मिल सके और आगे इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

**-श्याम सुन्दर बैरवा**
सहायक प्रोफेसर (वस्त्र रसायन)
माणिक्यलाल वर्मा टेक्सटाईल्ज एवं इंजीनियरिंग कॉलेज, भीलवाड़ा

## दलित अधिकार केन्द्र ने राष्ट्रीय... ( पृष्ठ 1 का शेष )

परिवार के सदस्यों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मालपुरा में मृतक शांति लाल के शव को लेने से पहले, मौके पर मौजूद अधिकारी सुश्री सरिता सिंह, अति. पुलिस अधीक्षक, व श्री शंकर लाल सैनी उपखण्ड अधिकारी मालपुरा के द्वारा निम्न मौखिक शर्तो पर सहमति बनी थी:-

➡ शीघ्र जांच कर रिपोर्ट में अनुसूचित जाति/जनजाति (अत्याचार निवारण) संशोधन अधिनियम 2015 जोडा जायेगा।

➡ जांच करते समय पीडित पक्ष की ओर से दो व्यक्तियों को रखा जायेगा जो इस बात को सुनिश्चित करेगे की जांच सही हो रही है, किसी प्रकार का पक्षपात नही किया जा रहा है।

➡ आरोपियों को गिरतार किया जायेगा।

➡ मृतक के परिवार को नियमानुसार आर्थिक मुआवजा, कृषि योग्य जमीन व मृतक की विधवा को सरकारी नौकरी दी जायेगी।

➡ पीडित परिवार के घर पर पुलिस जाप्ता तैनात करवाया जायेगा।

➡ सही व निष्पक्ष जांच की जायेगीं

लेकिन दु:ख का विषय है कि घटना के 15 दिन बाद भी पुलिस प्रशासन ने एक भी शर्ते की पालना नही की जिसके कारण से पुलिस प्रशासन अपना विश्वास खो चुकी है।

15 दिन बाद भी उक्त मामले में कोई कार्यवाही नही करने पुलिस प्रशासन की निष्क्रियता व दलित विरोधी मानसिकता के विरोध में दिनांक 13 जून 2018 को समस्त दलित समुदाय के संयुक्त तत्वाधान में मुंह पर काली पट्टीयां बांध कर मौन रैली निकाल कर उपखण्ड अधिकारी मालपुरा, जिला टोंक को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया गया था। इस आयोजन में दलित अधिकार केन्द्र के प्रतिनिधि के रूप में राज्य समन्वयक चन्दा लाल बैरवा, दलित महिला मंच की राज्य समन्वयक सुश्री ग्रिजेश दिनकर, एडवोकेट व सामाजिक कार्यकर्ता मुकेश मेहरा, ने भाग लिया व सभी बाहर से आये कार्यकर्ताओं, संस्था प्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से ज्ञापन देकर आरोपियो की गिरतारी की मांग की लेकिन पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर दलित अधिकार केन्द्र में गहरा आक्रोश है।

घटना के 15 दिन बाद भी शांति लाल प्रकरण की जांच एक इंच आगे नही बढी जिससे दलित अधिकार केन्द्र ने पुलिस प्रशासन की कार्यशैली को गम्भीरता से लेते हुये केन्द्र के मुख्य कार्यकारी पी.एल.मीमरौठ ने अध्यक्ष, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली, अध्यक्ष राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग, नई दिल्ली, मुख्यमंत्री, राजस्थान सरकार,पुलिस महानिदेशक, जयपुर,अति. पुलिस महानिदेशक नागरिक अधिकार, जयपुर जिला कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक जयपुर को पत्र प्रेषित कर निम्न मांग की गई:-

1. दर्ज प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 67/2018 मृतक शांति लाल बैरवा पुत्र श्री पूरणमल बैरवा की हत्या करने के प्रकरण में पीडित परिवार द्वारा आशंका व्यक्त की गई आरोपियों को तुरन्त गिरतार किया जावे।

2. जांच करते समय पीडित पक्ष की ओर से दो व्यक्तियों को रखा जायेगा जो इस बात को सुनिश्चित करेगे की जांच सही हो रही है, किसी प्रकार का पक्षपात नही किया जा रहा है।

3. जांच में आरोपियों के नाम जोड कर अनुसूचित जाति/जनजाति (अत्याचार निवारण) संशोधन अधिनियम 2015 की धारा 3 (2)(वी) जोडी जावे।

4. आरोपियों द्वारा हत्या के दौरान काम में ली गई मोटरसाईकिल व लाठी, डण्डा, सरिया अन्य हथियार बरामद किया जावे।

5. ग्राम पारली में पीडित परिवार को पुलिस सुरक्षा उपलब्ध करवाई जावे।

6. क्षेत्र के संदिग्ध लोगों को गिरतार किया जावे व अपराधी प्रवृति के लोगों से गहन पूछताछ की जावे।

7. मृतक के बच्चों को पालनहार योजना का लाभ दिया जावे।

8. आरोपियों के विरूद्ध सी.आई.डी. सी.बी., अनुसूचित जाति /जनजाति अधिनियम की धारा 15-ए (10) के अन्तर्गत प्रकरण की सम्पूर्ण अन्वेषण की विडियो रिकॉर्डिंग की जाकर अनुसूचित जाति/जनजाति (अत्याचार निवारण) संशोधन अधिनियम 2015 के नियम 7 के तहत 60 में जांच पूरी कर आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया जावे।

9. उक्त प्रकरण की जांच वैज्ञानिक तकनीकी से अपना कर अन्वेषण सम्पादित किया जावे।

10. प्रकरण में अनुसूचित जाति/ जनजाति (अत्याचार निवारण) संशोधन अधिनियम 2015 के नियम 12 (4) (45) के अन्तर्गत शव परीक्षा के स्तर पर 4,12500/ रूपये अविलम्ब मृतक के आश्रितों को अदा किया जावे तथा नियम 12 (4) (46) के अन्तर्गत मृतक के आश्रितों को तीन माह का राशन, बर्तन, गेहूं, दाल आदि खाद्य सामग्री, उपलब्ध करवाई जावे।

11. प्रकरण में अनुसूचित जाति/ जनजाति (अत्याचार निवारण) संशोधन अधिनियम 2015 के नियम 15-(2) (डी) सपठित नियम 12 (4) 46 के अन्तर्गत पीडित परिवार को अतिरिक्त सहायता के रूप में मृतक की पत्नी को सरकारी नौकरी तीन माह में प्रदान की जावे।

12. अनुसूचित जाति/जनजाति (अत्याचार निवारण) संशोधन अधिनियम 2015 के अन्तर्गत पीडित को आर्थिक एवं सम्पूर्ण सामाजिक पुर्नवास हेतु सम्पूर्ण प्रकरण जिला स्तरीय निगरानी एवं सतर्कता समिति के सामने वैज्ञानिक तरीकों से सम्पूर्ण जांच करवाई जावे।

13. यह कि टोंक जिला दलित अत्याचार के मामलों में अति संवेदनशील अत्याचार परक क्षेत्र है अत: अनुसूचित जाति/जनजाति (अत्याचार निवारण) संशोधन अधिनियम 1995 के नियम 16 के अन्तर्गत गठित जिला स्तरीय मॉनिटरिंग एवं विजिलेंस कमेटी उक्त अधिनियम के अन्तर्गत पंजीबद्व प्रत्येक मामलो की जांच गहनता एवं सूक्ष्मता से एंव अधिनियम एवं नियमों के प्रावधानों की क्रियान्विति तथा अधिकारियों के कार्यपालन का पुर्नावलोकन प्रत्येक तीन माह में किया जावे।

# स्मार्ट सिटी में हुए घोटालों का पीएम से जवाब मांगेगी कांग्रेस
# विद्याधर नगर और सांगानेर में मेरा बूथ मेरा गौरव कार्यक्रम

**जयपुर।** कांग्रेस प्रवक्ता प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में हुए घोटालों का कांग्रेस पीएम नरेंद्र मोदी से जवाब मांगेगी। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में घोटाला हुआ है। पीएम को स्मार्ट सिटी के नाम पर जयपुर को उजाड़ कर भ्रष्टाचार करने वाले अधिकारियों और नेताओं के खिलाफ जांच करानी चाहिए। वे विद्याधर नगर और सांगानेर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित मेरा बूथ मेरा गौरव कार्यक्रम में बोल रहे थे। विधाधर नगर में कार्यक्रम के आयोजक विक्रम सिंह शेखावत ने कहा कि मैने पिछले 25 सालों से क्षेत्र के लोगो की सेवा में कोई कमी नही छोड़ी है।आगे भी मैं 365 दिन और 24 घंटे लोगों की सेवा करता रहूंगा। इस मौके पर सांसद रघु शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के मेरा बूथ मेरा गौरव कार्यक्रम में आ रही जनता इस बात का संकेत दे रही है कि चार महीने बाद राजस्थान की नेतृत्व कांग्रेस को सौंप रही है। उधर, सांगानेर विधानसभा में आयोजित कार्यक्रम में पुष्पेंद्र भारद्वाज की ओर से 51 किलो की माला से सह प्रभारी विवेक बंसल, प्रताप सिंह खाचरियावास सहित अन्य का स्वागत किया गया। इस मौके पर मास्टर भवरलाल, महेश जोशी, सुरेश मिश्रा, संजय बाफना, मनोज मुदगल, बिरधीचन्द शर्मा, मोहन सिंह सिंघानिया, धर्म सिंह सिंघानिया व दीपक रामनानी सहित कांग्रेस के कई नेताओं ने संबोधित किया।

## हैल्थ टिप्स

- किसी भी रोग के कारण आई कमजोरी दूर करने के लिये नियमित प्रात: व सायं 50-50 ग्राम अंगूर कुछ दिन तक लेने से कमजोरी दूर होकर नई शक्ति मिलती है।
- गर्भवती महिला को दिन में अंगुर के 20-30 दाने खिलाये जाये तो महिला एवं गर्भस्थ शिशु स्वस्थ रहते हैं।
- ईमली के पत्तों को तिल्ली के तेल में पकाकर छानकर कान में डालने से कान का दर्द दूर होता है।
- खुजली, फोड़े-फुंसी इत्यादि होने पर पकी हुई ईमली को पानी में मथकर छान ले, फिर इस पानी में काला नमक मिलाकर पीने से काफी फायदा होता है।
- आम की गुठली का चूर्ण को दही और नमक मिलाकर खाने से महिलाओं के मासिक धर्म में अधिक रक्तस्राव दूर होता है।
- प्रात:काल शौच जाने से पूर्व शहद के साथ बराबर मात्रा में नींबू का रस मिलाकर गुनगुने जल के साथ सेवन करने से मोटापा घटता है, कब्ज दूर होता है तथा रक्त शुद्ध होता है।
- गिलोय सत्व को आंवले के रस के साथ सेवन करने से नेत्र रोग में लाभ होता है।
- जंगली अंजीर का दूध-दाद पर लगाये पीड़ा तो बहुत होती है, पर दाद जड़ से मिट जाता है।
- कबूतर की बीट 50 ग्राम और अरण्डी का तेल 100 ग्राम लेकर लोहे की कडाही में झावा ईंट ( जौ जलाकर काली पड़ गई हो) से रगडे। जब झावा का रंग गहरा हरा हो जाये तब साफ डिब्बी में भर ले। यह मलहम दिन में तीन बार लगाये। सभी चर्म रोगों ममें 7-8 दिन के प्रयोग से आशातीत लाभ होगा।
- पेट दर्द में प्याज के रस में थोड़ी सी हींग और काला नमक डालकर पीने से फायदा होता है।
- रात को सोते समय शरीर के खुले भाग पर हल्का-सा लोंग का तेल लगाने से मच्छर सदैव दूर रहते हैं तथा काटते नहीं हैं।

# रोज सेब खाएं, इतने फायदे होंगे कि गिनते रह जाएंगे

आपने अक्सर लोगों के मुंह से सुना होगा कि एन एप्पल इन ए डे, कीप्स द डॉक्टर अवे। अर्थात अगर आप स्वस्थ

रहना चाहते हैं तो आपको प्रतिदिन एक सेब का सेवन करना चाहिए। यह जुमला ही सेब के गुणों का बखान करता है। आमतौर पर लोग यह तो जानते हैं कि सेब का सेवन स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है लेकिन वास्तव में इससे सेहत को क्या लाभ प्राप्त होते हैं, इसके बारे में लोग नहीं जानते। तो चलिए आज हम आपको इससे मिलने वाले कुछ फायदों के बारे में बताते हैं-

**पाचन तंत्र में लाभदायक**

सेब आपके पेट के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इसमें वैसे तो फाइबर प्रचुर मात्रा में पाया जाता है लेकिन इसके साथ-साथ यह आपके पेट संबंधी परेशानियों को दूर करने में भी एक अहम भूमिका निभाता है।

खासतौर से, जिन लोगों को कब्ज आदि की शिकायत होती है, उन्हें तो विशेष रूप से प्रतिदिन एक सेब का सेवन करना चाहिए।

**एनिमिया का उपचार**

इस बात से तो आप वाकिफ ही होंगे कि भारत देश में अधिकतर लोग एनिमिक हैं। खासतौर से, महिलाओं में आयरन की मात्रा काफी कम पायी जाती है। ऐसे में प्रतिदिन सेब का सेवन करने से उन्हें काफी फायदा होता है क्योंकि इसमें आयरन काफी मात्रा में पाया जाता है।

**मधुमेह नियंत्रण**

भले ही सेब स्वाद में मीठा हो लेकिन फिर भी इसे मधुमेह के रोगियों को खाने की सलाह दी जाती है क्योंकि यह रक्त में शुगर लेवल को कंट्रोल करने का माद्दा रखती है।

**दांत बनाए स्वस्थ**

शायद आपको जानकर हैरानी हो लेकिन वास्तव में सेब आपके दांतों को स्वस्थ बनाने का काम भी करता है। दरअसल, जब आप सेब को चबाकर खाते हैं तो इससे आपके मुंह में लार का उत्पादन तेज होता है। इतना ही नहीं, यह बैक्टीरिया को कम करके दांतों को भी नुकसान पहुंचाने से बचाता है।

**वेट लॉस में करता है मदद**

आजकल जिसे देखो, अपने बढ़ते वजन को लेकर चिंतित रहता है। ऐसे लोगों को अपनी डाइट में सेब को अवश्य शामिल करना चाहिए। बहुत से शोध व स्टडी इस ओर इशारा करती हैं कि सेब के सेवन से काफी हद तक वजन कम किया जा सकता है।

ऐसा उसमें मौजूद फाइबर के कारण होता है। जब आप सेब का सेवन करते हैं तो आपको काफी देर तक पेट भरे होने का अहसास होता है और आप अतिरिक्त कैलोरी के सेवन से बच जाते हैं।

# भारत की गंगा-जमुनी तहजीब विश्व के लिए मिसालः जसबीर सिंह

**जयपुर।** भारत में विभिन्न अलग-अलग धर्मों एवं समुदायों के लोग आपसी भाईचारे से रहते है और वहीं गंगा-जमुनी संस्कृति के लिए संस्कृति के लिए हिन्दुस्तान विश्वभर में अपनी एक अलग मिशाल रखता है। यह बात अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष

श्री जसबीर सिंह ने स्थानीय होटल में आयोजित एक संवाद कार्यक्रम तथा ईद मिलन के अवसर पर ''राष्ट्रीय एकता, अखण्डता और सामाजिक समरसता'' विषय पर आधारित सेमिनार में भाग लेते हुए कही। ईद मिलन के अवसर पर श्री जसबीर सिंह ने कहा कि हमारा प्रयास सदैव से यही रहा है कि सभी त्यौहार मिल-जुल कर आपसी भाईचारे एवं समरसता के साथ मनाया जाए। उन्होंने कहा कि हम सभी ईश्वर को अलग-अलग नाम से मानते है, लेकिन ईश्वर सबका एक होता है, उसके रूप भिन्न हो सकते हैं।

श्री जसबीर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे की भी हमेशा से 36 कौमों को साथ लेकर चलने की मंशा रही है। आयोग द्वारा समय-समय पर एक संवाद कार्यक्रम और हिन्दु-मुस्लिम-सिख-ईसाई-जैन धर्मों के त्यौहारों को सभी समुदायों के साथ परस्पर प्रेम और भाईचारे से मनाए जाने के पीछे भी सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने का मकसद है।

इस अवसर पर राजस्थान स्टेट हज कमेटी के अध्यक्ष श्री अमीन पठान ने कहा कि अल्पसंख्यक आयोग का कार्यक्रम '''एक संवाद'' के तहत सभी धर्मो के प्रमुख त्यौहारों को सभी समुदायों के साथ सद्भाव और प्रेम से मनाया जाता है। इससे सामाजिक समरसता बढ़ती है और देश की एकता और अखण्डता मजबूत होती है।

**नई दिशा पुस्तिका का विमोचन**

इस अवसर पर अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष श्री जसबीर सिंह एवं स्टेट हज कमेटी के अध्यक्ष श्री अमीन पठान एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा राज्य अल्पसंख्यक आयोग की त्रैमासिक पुस्तिका ''नई दिशा'' का विमोचन भी किया गया।

**प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया सहित सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विशिष्ट व्यक्तियों का सम्मान**

इस अवसर पर प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया सहित सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विशिष्ट व्यक्तियों का सम्मान किया गया। समाज सेवा में संलग्न व्यक्तियों में पूर्व आई ए एस, श्री ए.आर. खान, मोहमम्द अतीक एवं श्री अनवर हुसैन को सेवा रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। संगीत एवं नाट्क अकादमी के अध्यक्ष श्री अशोक पाण्ड्या एवं पूर्व आई.पी.एस श्री पी.एन. रछोया सहित 19 मीडिया कर्मियों को पत्रकार सम्मान पत्र से सम्मानित किया गया।

इनमें सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग की सहायक जनसम्पर्क अधिकारी सुश्री सुमन मानतुवाल, फर्स्ट इण्डिया न्यूज के श्री तनवीर अहमद, दैनिक भास्कर की सुश्री लता खण्डेलवाल, राजस्थान पत्रिका के श्री शैलेन्द्र अग्रवाल, एवं श्री शादाब अहमद, जी न्यूज के श्री मोहम्मद दिलशाद खान, न्यूज 18 (ई.टी.वी. राजस्थान) के श्री अरबाज अहमद, एवं श्री बाबू लाल घायल, दूरदर्शन के सहायक निदेशक श्री प्रत्युष घोष, राष्ट्रदूत के श्री चैतन्य कुमार शर्मा, पंजाब केसरी के श्री इमरान खान, एकता पत्रिका के श्री फारूख अली, सीमा सन्देश के श्री नरेश पन्नू, समाचार जगत के श्री मुकेश पारीक, सिख जागृति के सरदार ओंकार सिंह, ब्यूरो प्रमुख उदय इण्डिया के डॉ? निर्मल जैन, दैनिक जलते दीप के श्री शैलेश शर्मा एवं रॉयल पत्रिका के श्री मुन्ना खान को पत्रकार सम्मान पत्र से सम्मानित किया गया।

# जयपुर मेट्रो ने यात्रियों को दी सौगात पीक आवर का किराया किया कम

**जयपुर।** जयपुर मेट्रो निदेशक मण्डल की बैठक आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता जयपुर मेट्रो के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक पवन कुमार गोयल ने की। बैठक में बोर्ड के सदस्य राजीव स्वरूप, अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक रीको, आलोक, प्रमुख सचिव सार्वजनिक कार्य विभाग, राजस्थान सरकार, एवं जयपुर मेट्रो के चारों पूर्णकालिक निदेशक उपस्थित रहे। बोर्ड द्वारा मीटिंग के दौरान जयपुर मेट्रो के सभी निदेशको ने कार्य प्रगति का ब्यौरा दिया। बैठक में फेज 1बी की कार्य प्रगति एवं फेज 2 के डी.पी.आर. रिव्यू की स्थिति का जायजा लिया। बोर्ड ने जयुपर मेट्रो में पीक आवर किराया, जो सांय 5 बजे से रात्री 09.20 बजे तक लागू था, उसे एक जुलाई 2018 से कम करने का निर्णय लिया गया। अब पूरे दिन एक ही किराया लागू रहेगा।

इससे यात्रियों को शाम को (5 बजे से 9.20 तक) 5-6 रुपये किराया कम देना पड़ेगा। अर्थात सुबह से रात्री तक किराया एक समान रहेगा। बैठक में मेट्रो के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक पवन कुमार गोयल ने उपस्थित सभी बोर्ड सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुये उनसे अपेक्षा की एवं मेट्रो की प्रगति के लिये कृत संकल्प होकर कार्य करे।

स्वामीत्व, मुद्रक, प्रकाशक, रजनी के लिए एम.बी. प्रिन्टर्स एफ-76 ए, करतारपुरा इण्ड. एरिया मोरानी वर्क्सशॉप के पास जयपुर से मुद्रित एवं सी-57, महेश नगर, 80 फीट रोड, जयपुर-15 ( राज. ) से प्रकाशित। सम्पादक-भवनेश धावनिया। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर होगा। मो.-9928260244, 9829271582 E-mail : shreebaba_2008@yahoo.com